TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

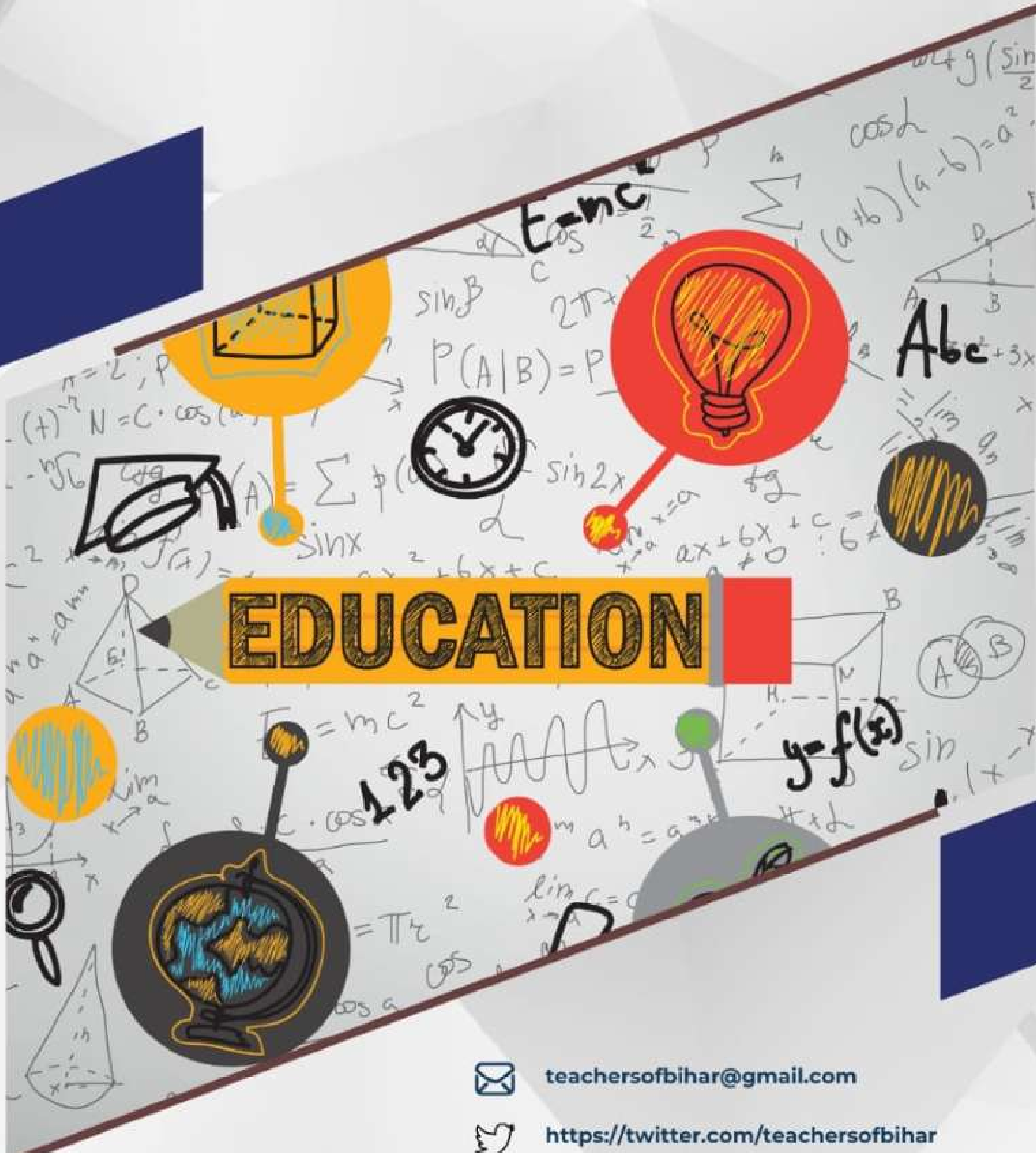

teachersofbihar@gmail.com
https://twitter.com/teachersofbihar
https://www.youtube.com/c/teachersofbihar
https://www.facebook.com/teachersofbihar
https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar
www.teachersofbihar.org

2024

26 अक्टूबर 2024

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

मूर्ख व्यक्ति ही दूसरों पर हंसते हैं,

बुद्धिमान खुद पर हंसते हैं।

ओशो

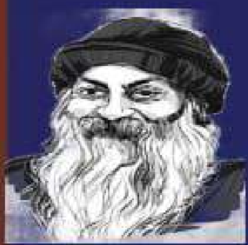

राकेश कुमार

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस ज्ञान

शशिधर उज्जवल

26 अक्टूबर

1. **गणेश शंकर विद्यार्थी का जन्म–** भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सेनानी गणेश शंकर विद्यार्थी का जन्म 26 अक्टूबर, 1890 ई. को उत्तर प्रदेश के प्रयाग में हुआ था। वे एक निडर पत्रकार, राजनीतिज्ञ, लेखक और समाज सेवी थे। उन्होंने मात्र 16 वर्ष की अल्पायु में ही 'हमारी आत्मोसर्गता' नामक एक किताब लिख डाली थी। वर्ष 199 में भारत के चर्चित समाचार पत्र 'सरस्वती' में उनका पहला लेख 'आत्मोत्सर्ग' शीर्षक से प्रकाशित हुआ था। उनकी प्रमुख रचनाओं में 'शेख चिल्ली की कहानियां' प्रसिद्ध हैं।

Saturday

दिवस विशेष

26 अक्टूबर

मधु प्रिया

गणेशशंकर विद्यार्थी का जन्म 26 अक्टूबर

गणेशशंकर विद्यार्थी,का जन्म 26 अक्टूबर,1890 को अपने ननिहाल,इलाहाबाद के अतरसुइया मोहल्ले में दुर्गा पूजा पार्क के निकट,श्रीवास्तव वर्मा (कायस्थ) परिवार में हुआ था । वह रहने वाले मुंशी जयस्थ हथगाँव,जिला फतेहपुर (उत्तर प्रदेश) के निवासी थे। माता का नाम गोमतीदेवी था। पिता ग्वालियर रियासत में मुंगावली के ऐंग्लो वर्नाक्युलर से हुआ और 1905 ई. में भेलसा से अंग्रेजी कानपुर से एंट्रेंस परीक्षा पास करके आगे की पढ़ाई के लिए इलाहाबाद के कायस्थ पाठशाला कालेज में भर्ती समय से पत्रकारिता की ओर झुकाव हुआ और भारत में अंग्रेज़ी राज के यशस्वी लेखक पंडित सुन्दर लाल (कायस्थ) इलाहाबाद के साथ उनके हिंदी साप्ताहिक कर्मयोगी के संपादन में सहयोग देने लगे। लगभग एक वर्ष कालेज में पढ़ने के बाद 1908 ई. में कानपुर के करेंसी आफिस में 30 रु. मासिक की नौकरी की। परंतु अंग्रेज अफसर से झगड़ा हो जाने के कारण उसे छोड़कर पृथ्वीनाथ हाई स्कूल, कानपुर में 1910 ई. तक अध्यापकी की। इसी अवधि में सरस्वती, कर्मयोगी, स्वराज्य (उर्दू) तथा हितवार्ता (कलकत्ता) में समय समय पर लेख लिखने लगे। 1911 में विद्यार्थी जी सरस्वती में पं॰ महावीरप्रसाद द्विवेदी के सहायक के रूप में नियुक्त हुए। कुछ समय बाद "सरस्वती" छोड़कर "अभ्युदय" में सहायक संपादक हुए। यहाँ सितंबर, 1913 तक रहे। दो ही महीने बाद 9 नवम्बर 1913 को कानपुर से स्वयं अपना हिंदी साप्ताहिक प्रताप के नाम से निकाला। इसी समय से 'विद्यार्थी' जी का राजनीतिक, सामाजिक और प्रौढ़ साहित्यिक जीवन प्रारंभ हुआ। पहले इन्होंने लोकमान्य तिलक को अपना राजनीतिक गुरु माना, किंतु राजनीति में गांधी जी के अवतरण के बाद आप उनके अनन्य भक्त हो गए। श्रीमती एनीं बेसेंट के 'होमरूल' आंदोलन में विद्यार्थी जी ने बहुत लगन से काम किया और कानपुर के मजदूर वर्ग के एक छात्र नेता हो गए। कांग्रेस के विभिन्न आंदोलनों में भाग लेने तथा अधिकारियों के अत्याचारों के विरुद्ध निर्भीक होकर "प्रताप" में लेख लिखने के संबंध में ये 5 बार जेल गए और "प्रताप" से कई बार जमानत माँगी गई। कुछ ही वर्षों में वे उत्तर प्रदेश (तब संयुक्तप्रात) के चोटी के कांग्रेस नेता हो गए। 1925 ई. में कांग्रेस के कानपुर अधिवेशन की स्वागत-समिति के प्रधानमंत्री हुए तथा 1930 ई. में प्रांतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हुए। इसी नाते सन् 1930 ई. के सत्याग्रह आंदोलन के अपने प्रदेश के सर्वप्रथम "डिक्टेटर" नियुक्त हुए।

साप्ताहिक "प्रताप" के प्रकाशन के 7 वर्ष बाद 1920 ई. में विद्यार्थी जी ने उसे दैनिक कर दिया और "प्रभा" नाम की एक साहित्यिक तथा राजनीतिक मासिक पत्रिका भी अपने प्रेस से निकाली। "प्रताप" किसानों और मजदूरों का हिमायती पत्र रहा। उसमें देशी राज्यों की प्रजा के कष्टों पर विशेष सतर्क रहते थे। "चिट्ठी पत्री" स्तंभ "प्रताप" की निजी विशेषता थी। विद्यार्थी जो स्वयं तो बड़े पत्रकार थे ही, उन्होंने कितने ही नवयुवकों को पत्रकार,लेखक और कवि बनने की प्रेरणा तथा ट्रेनिंग दी। ये "प्रताप" में सुरुचि और भाषा की सरलता पर विशेष ध्यान देते थे। फलत: सरल,मुहावरेदार और लचीलापन लिए हुए चुस्त हिंद की एक नई शैली का इन्होंने प्रवर्तन किया। कई उपनामों से भी ये प्रताप तथा अन्य पत्रों में लेख लिखा करते थे। अपने जेल जीवन में इन्होंने विक्टर ह्यूगो के दो उपन्यासों,"ला मिजरेबिल्स" तथा "नाइंटी थ्री" का अनुवाद किया। हिंदी साहित्य सम्मलेन के 19 वें (गोरखपुर) अधिवेशन के ये सभापति चुने गए। विद्यार्थी जी बड़े सुधारवादी किंतु साथ ही धर्मपरायण और ईश्वरभक्त थे। वक्ता भी बहुत प्रभावपूर्ण और उच्च कोटि के थे। यह स्वभाव के अत्यंत सरल,किंतु क्रोधी और हठी भी थे। कानपुर के सांप्रदायिक दंगे में 25 मार्च 1931 ई. को इनकी हत्या कर दी गई।

गणेशशंकर विद्यार्थी *Ganesh shankar Vidyarthi*; जन्म- 26 अक्टूबर, 1890, प्रयाग; मृत्यु- 25 मार्च, 1931)[1] एक निडर और निष्पक्ष पत्रकार तो थे ही, इसके साथ ही वे एक समाज-सेवी, स्वतंत्रता सेनानी और कुशल राजनीतिज्ञ भी थे। भारत के 'स्वाधीनता संग्राम' में उनका महत्त्वपूर्ण योगदान रहा था।

Teachers of Bihar
The Change Makers

राकेश कुमार

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 26.10.2024

मुक्त छंद कविता

मुक्त छंद कविता में पंक्तियों और छंदों का एक समान होना ज़रूरी नहीं है। एक पंक्ति में 2 शब्द हो सकते हैं और अगली में 12; एक छंद में 8 पंक्तियाँ हो सकती हैं और अगली में 1 पंक्तियों की यह स्वतंत्रता कवि को भाषा को कविता की संरचना को परिभाषित करने की अनुमति देती है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

स्वीडन दुनिया का **पहला देश** है, जहां **ELECTRIC HIGHWAY** बने हुए हैं जिस पर ट्रक **चलते चलते चार्ज होते** हैं।

स्रोत: दैनिक भास्कर

TOB

राकेश कुमार

खेल कॉर्नर

टेस्ट क्रिकेट

आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा संचालित टेस्ट क्रिकेट के लिए एक लीग प्रतियोगिता है, जो 1 अगस्त 2019 को शुरू हुई थी।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के टॉप-5 विकेट टेकर

प्लेयर	देश	मैच	विकेट
आर अश्विन	भारत	39	189
नाथन लायन	ऑस्ट्रेलिया	43	187
पैट कमिंस	ऑस्ट्रेलिया	42	175
मिचेल स्टार्क	ऑस्ट्रेलिया	38	147
स्टुअर्ट ब्रॉड	इंग्लैंड	33	134

unicef

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम

(सुरक्षित शनिवार)

RAKESH KUMAR
MIDDLE SCHOOL BALUA MANER (PATNA)

CHILD HELPLINE
1098

माह: अक्टूबर

प्रथम शनिवार दिनांक **05.10.2024**	दशहरा / छठ / मुहर्रम आदि पर्वों में भीड़ एवं भगदड़ संबधी जोखिम एवं बचाव (प्राथमिक उपचार सी.पी.आर. सहित)
द्वितीय शनिवार दिनांक **12.10.2024**	नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव के संदर्भ में जानकारी 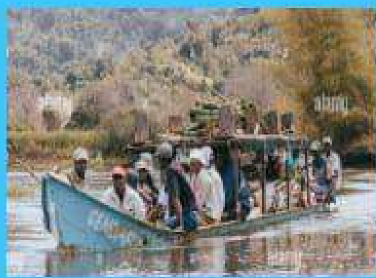
तृतीय शनिवार दिनांक **19.10.2024**	दिवाली के पटाखों एवं प्रदूषण से उत्पन्न स्वास्थ्य संबधी जोखिम एवं बचाव के संदर्भ में जानकारी
चतुर्थ शनिवार दिनांक **26.10.2024**	सड़क दुर्घटना से बचाव के सन्दर्भ में जानकारी।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

www.teachersofbihar.org

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

महान क्रांतिकारी, 'पत्रकारिता के पितामह' कहे जाने वाले

गणेश शंकर विद्यार्थी

की जयंती पर कोटि-कोटि नमन।

जन्म-26 अक्टूबर 1890 – मृत्यु- 25 मार्च 1931

Madhu priya

www.teachersofbihar.org

26 अक्टूबर

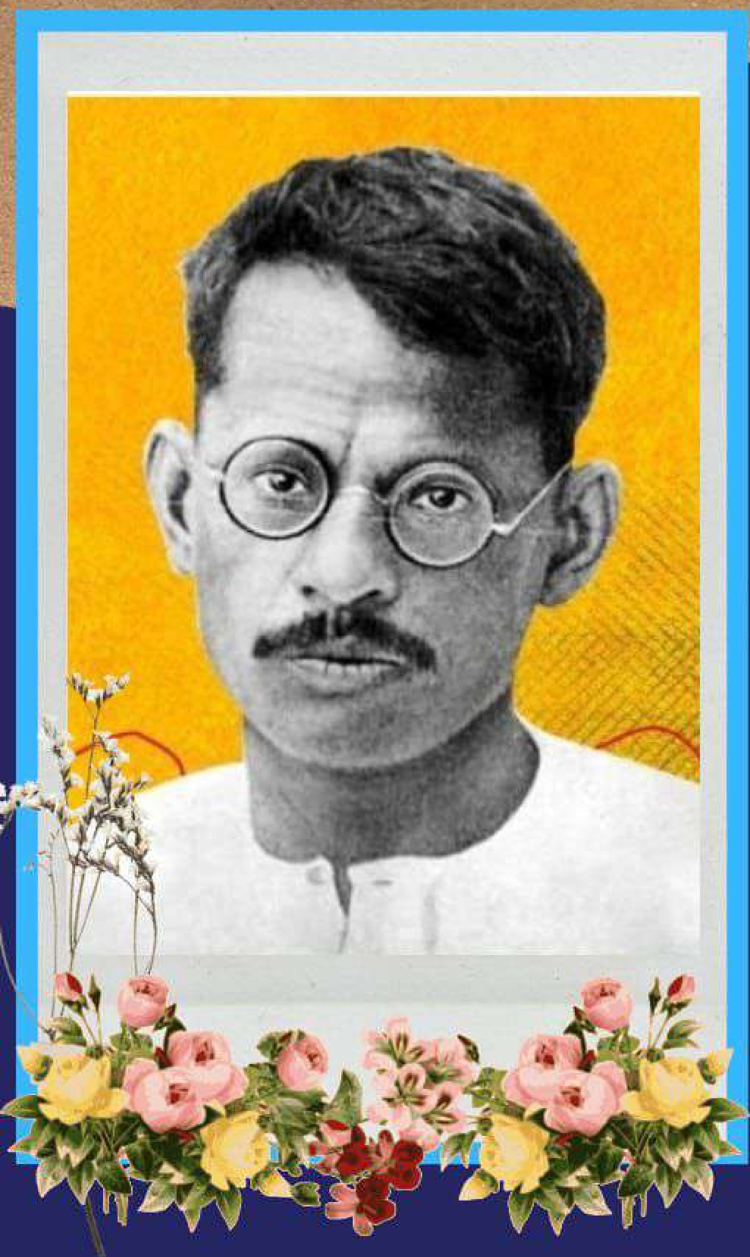

महान स्वतंत्रता सेनानी और पत्रकार

गणेश शंकर विद्यार्थी

की जयंती पर सादर नमन

26 अक्टूबर 1890 - 25 मार्च 1931

www.teachersofbihar.org

Punita Kumari